शैक्षाणिक परिसरों की खबरें
-: समूह सदस्य संख्या :-
25000+

स्कूलों से मिलेंगे प्रश्नपत्र-उत्तर पुस्तिका, घर से लिखकर लाएंगे

भास्कर संवाददाता | बुरहानपुर

सोमवार से कक्षा 9वीं और 11वीं की वार्षिक परीक्षा शुरू होगी। जिले के 91 सरकारी स्कूल एक साथ परीक्षा कराएंगे। इसमें 9 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। सभी को स्कूलों से प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिका मिलेगी। इसे घर से लिखकर वापस स्कूल लाना होगी।

प्रभारी डीईओ रविंद्र महाजन ने बताया कि राज्य ओपन स्कूल से प्रश्नपत्र भेजे गए हैं। इन्हें 91 स्कूलों में वितरण किया गया है। कक्षा 9वीं में 5 हजार और कक्षा 11वीं में 4 हजार छात्र-छात्राएं हैं। 12 अप्रैल से दोनों कक्षाओं की परीक्षा शुरू होगी। जो विद्यार्थी स्कूल से दूर रहते हैं, वे सभी विषयों के प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिका एक साथ ले जा सकेंगे। 22 अप्रैल तक पूरे जिले में परीक्षा होगी। सभी प्रश्नपत्र के उत्तर पुस्तिका में लिखकर एक साथ भी जमा कर सकेंगे।

प्रवेश पत्र प्राचार्य से हस्ताक्षकर कर लें

30 अप्रैल से कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा शुरू होगी। इसके लिए प्रवेश पत्र ऑनलाइन आ चुके हैं। स्कूल प्राचार्य को यह प्रवेश पत्र डाउनलोड करने होंगे। प्रिंट निकालकर प्राचार्य को हस्ताक्षर करना है, फिर विद्यार्थियों को बांटना हैं। परीक्षा से पहले तक यह प्रवेशपत्र लेना होंगे।

सूचना-बंदी अहम मंत्रालयों में घटने लगे सूचना का हथियार उठाने वाले

आरटीआई का सरकारी मतलब अब 'राइट टू इग्नोर'

कभी निजता, कभी तकनीकी आधार पर अर्जी खारिज

अनिरुद्ध शर्मा | नई दिल्ली

केंद्र सरकार के प्रमुख मंत्रालयों में आरटीआई कानून के तहत आने वाले आवेदन लगातार कम हो रहे हैं। वर्ष 2019-20 में सर्वाधिक 1.92 लाख आवेदन वित्त मंत्रालय में आए लेकिन पिछले साल के 2.11 लाख से 9 फीसदी कम हैं। गृह मंत्रालय में 22 और रक्षा मंत्रालय में 16 फीसदी आवेदन कम आए। 2019-20 में केंद्र के 2,193 विभागों और एजेंसियों को 13.74 लाख से अधिक आवेदन मिले जिनमें 4.27 फीसदी खारिज किए गए। आरटीआई कार्यकर्ताओं के मुताबिक, कुल खारिज आवेदनों में 40% में 'अन्य' कारणों के चलते तकनीकी आधार पर सूचना देने से इनकार कर दिया गया। वहीं, 20 फीसदी जानकारी 'निजता के उल्लंघन' के नाम पर नहीं दी गई।

आवेदनों का बैकलॉक 19 फीसदी बढ़ा है। सबसे ज्यादा 1.15 लाख आवेदन रक्षा मंत्रालय में पेंडिंग हैं। मानव साधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय) में 50 हजार से ज्यादा पेंडिंग हैं। आवेदन स्थानांतरित करने में रेलवे आगे है। रेलवे ने 2019-20 में 25 हजार आवेदन ट्रांसफर किए। वित्त ने 24 हजार और रक्षा मंत्रालय ने 20 हजार से ज्यादा आवेदन अन्य मंत्रालयों में भेजे। ट्रांसफर किए गए 33 फीसदी आवेदन प्रधानमंत्री कार्यालय भेजे गए। आरटीआई कानून की धारा 8, 9, 11 व 24 में सूचना न देने की छूट है। जो 40% आवेदन खारिज हुए, उनमें कारण 'अन्य' बताए गए, जबकि कानून में ऐसी श्रेणी नहीं है। सीआईसी के अधिकारी ने बताया, जो आवेदन ठीक प्रारूप में नहीं होते या फीस जमा नहीं हुई उन्हें अन्य श्रेणी में खारिज करते हैं। शेष| पेज 7 पर

परेशानी • उत्कृष्ट स्कूल का मामला, परिसर की देखरेख, कार्य हो रहे प्रभावित

स्कूल का चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तहसील कार्यालय में अटैच किया, प्राचार्य को खोलना पड़ रहा ताला

भास्कर संवाददाता | हाटपिपल्या

नगर के शासकीय उत्कृष्ट स्कूल के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को निर्वाचन शाखा में लगाए जाने से स्कूल की साफ-सफाई से लेकर अन्य कई काम प्रभावित हो रहे हैं। इसके चलते स्कूल का ताला प्राचार्य को खोलना पड़ रहा है।

प्राचार्य प्रकाशचंद डाबी ने बताया कि स्कूल के कार्य के लिए दो चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। इनमें से एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राजेश मालवीय को करीब पांच महीने पहले तहसील कार्यालय में निर्वाचन कार्य के लिए लगा लिया गया था। इसके बाद दूसरे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मोहनलाल मिश्रा से काम चल रहा था, लेकिन पिछले दिनों मिश्रा का निधन हो गया। इसके कारण स्कूल परिसर की देखरेख, साफ-सफाई के साथ ही रख-रखाव आदि काम प्रभावित होने लगे हैं। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी नहीं होने के कारण स्कूल का ताला भी मुझे ही खोलना पड़ रहा है। इन परेशानियों के चलते मैंने बागली एसडीएम व हाटपिपल्या तहसीलदार को आवेदन देकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मालवीय को निर्वाचन कार्य से मुक्त कर स्कूल के लिए कार्यमुक्त करने का निवेदन किया है।

तहसीलदार बोले-अतिरिक्त कार्य के लिए एक अन्य कर्मचारी और रख सकते हैं प्राचार्य : कोरोना संक्रमण के चलते कोविड-19 केंद्र बनाए गए हैं। इसमें चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी राजेश मालवीय को कार्य से लगाया गया है। स्कूल में दो महिला चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भी कार्यरत हैं। अतिरिक्त कार्य के लिए प्राचार्य एक अन्य चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और रख सकते हैं। -सत्येंद्र बैरवा, तहसीलदार, हाटपिपल्या

आरटीआई का सरकारी मतलब अब ...

वित्त मंत्रालय ने 42 फीसदी आवेदन निजता के उल्लंघन के नाम पर रद्द कर दिए। वहीं, सेना से जुड़ा हर दूसरा आवेदन अपील के स्तर पर पहुंचा। कंपनी मामलों का मंत्रालय ऐसा रहा जहां 2018-19 के 19,956 आवेदनों की तुलना में 2019-20 में 83,602 आवेदन आए। इस मंत्रालय के आदेवन 622 फीसदी बढ़ गए। आरटीआई एक्टिविस्ट शैलेष गांधी ने डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग से जानकारी मांगी थी कि कितने सरकारी अफसरों की वार्षिक गोपनीयता रिपोर्ट सबमिट हुई? यह आरटीआई की धारा 8(1)(जे) के तहत निजता का उल्लंघन बताकर खारिज कर दी गई। किसी अधिकारी की निजी संपत्ति की जानकारी का ब्योरा भी इसी धारा के तहत नहीं दिया जाता। कॉमनवेल्थ ह्यूमनराइट्स इनिशिएटिव के प्रोग्राम हेड वेंकटेश नायक ने 2018 में एसबीआई से इलेक्टोरल बांड्स के खरीदारों की केवाईसी डिटेल मांगी जिसे बैंक ने खारिज कर दिया। जबकि चुनाव आयोग के नियमों के मुताबिक यदि किसी राजनीतिक पार्टी को कोई व्यक्ति, कंपनी, ट्रस्ट 20 हजार रु. से अधिक अनुदान देता है तो पार्टी को सालाना इसकी जानकारी आयोग को देनी होती है।

समस्या • ग्रामीणों ने भी लगाए आरोप, कहा- 10-15 दिन में एक बार आता है टैंकर

छात्रावास में नहीं है पीने के पानी की व्यवस्था छात्राओं को निजी ट्यूबवेल से लाना पड़ रहा

भास्कर संवाददाता | बमोरी

बमोरी तहसील मुख्यालय पर शासकीय हाई स्कूल परिसर में बने कस्तूरबा कन्या छात्रावास की छात्राएं आज पेयजल का इंतजाम करती नजर आई। कस्बे में इन दिनों वाटर लेवल नीचे उतर जाने के कारण से छात्रावास प्रबंधन द्वारा बच्चियों के लिए टैंकर तो मंगाया जा रहा है। लेकिन 60 बच्चियों पर एक टैंकर पानी होने की वजह से वह समय से पहले ही खत्म हो जाता है। इसी के चलते छात्रावास की 60 बच्चियां अपने-अपने हिस्से का पानी निजी ट्यूबवेल से भरने के लिए अपने सिर पर आदि मटकी लेकर जाती है ऐसा ही मामला शनिवार को 10:30 बजे देखने को मिला। जब छात्रावास की सभी बच्चियां अपने हिस्से का पानी भरने के लिए निजी ट्यूब बलों का सहारा लेती नजर आई।

हॉस्टल में पानी नहीं होने के कारण उन्हें अपने हिस्से का पानी भरना पड़ रहा है छात्रावास की वार्डन द्वारा एक टैंकर प्रतिदिन छात्रावास में मंगाया जाता है, लेकिन बच्चियों की तादाद अधिक होने के कारण वह समय से पहले ही खत्म हो जाता है इस वजह से उन्हें पीने के पानी की बेहद समस्या से जूझना पड़ रहा है। अप्रैल माह में ही वाटर लेवल हजार फीट तक पहुंच गया है, जिससे पानी की पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहा है ऐसा एक जगह नहीं बल्कि बमोरी क्षेत्र के हर गांव में पानी की समस्या से ग्रामीण जूझते हुए दिखाई दे रहे हैं। वहीं इस संबंध में ग्रामीणों का कहना है कि 15 से 20 दिन में एक टैंकर पानी छात्रावास में भेजा जाता है। वहीं कई छात्राओं ने भी इस बात को दबी जुबान में कहा कि कई दिनों से हमारी छात्रावास में टैंकर नहीं आया है।

कन्या छात्रावास की छात्राएं पानी लेकर जाती हुईं।

बोर्ड • वार्षिक परीक्षाओं को लेकर डांवाडोल स्थिति, ज्यादातर लोगों का मत परीक्षा तो ली जाना चाहिए

ओपनबुक से होगी वार्षिक व प्री-बोर्ड परीक्षा, 12 से स्कूलों में बांटेंगे कॉपी-प्रश्नपत्र, 30 को आएंगे रिजल्ट

भास्कर संवाददाता | जावरा

शहर में कोरोना के चलते लॉकडाउन लगा है। पिछले साल लॉकडाउन में परीक्षा से लेकर सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए थे। लेकिन इस बार लॉकडाउन के बीच कक्षा 9वीं व 11वीं के बच्चों को वार्षिक व 10वीं व 12वीं के बच्चों को प्री-बोर्ड परीक्षा देना होगी। परीक्षा 12 अप्रैल से शुरू होगी। बच्चों को प्रश्न-पत्र व कॉपियां बांटेंगे। हफ्तेभर में ओपनबुक के माध्यम से बच्चों को कॉपियां घरों से कम्पलीट करके स्कूलों में जमा कराना होगी। भास्कर ने पालकों की राय ली तो पता चला कि कई ओपनबुक परीक्षा के फेवर में नहीं हैं। उनका मानना है कि अगर ओपनबुक हुई तो स्कूल खुलने के चार महीने में बच्चों ने अव्वल आने के लिए जो मेहनत की, उस पर पानी फिर जाएगा। प्रतिस्पर्धा का जो भाव बच्चों में होता है वो समाप्त हो जाएगा इसलिए सरकार को बोर्ड परीक्षाएं कराना चाहिए।

ओपनबुक में नहीं होगी प्रतिस्पर्धा, परिणामों पर दिखेगा असर

लॉकडाउन के कारण बच्चों की पढ़ाई कितनी प्रभावित हुई है, इसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है। पिछले साल आधे पेपर हुए और बाकी में जनरल प्रमोशन। बच्चे वैसे ही पास हो गए। इस बार पहले स्कूल बंद रहे तो पढ़ाई ठप हुई। फिर जब चार महीने स्कूल खुले तो लगा कि अब पढ़ाई होगी और बच्चे भी रुचि लेंगे लेकिन फिर लॉकडाउन लगने से बच्चों की मानसिक मनोदशा बदल रही है। कुछ बच्चे अच्छे नंबर लाने के लिए मेहनत करते हैं लेकिन ओपनबुक या जनरल प्रमोशन में सभी बच्चे एक ही कतार में खड़े होते हैं। इस कारण अगर लॉकडाउन नहीं खुला तो वार्षिक परीक्षा परिणामों में इसका असर दिखेगा।

ब्लॉक के 27 हाई व हायर सेकंडरी स्कूलों में सोमवार से परीक्षा शुरू होगी। सरकारी स्कूलों में परीक्षा ओपनबुक से रहेगी और प्राइवेट स्कूल चाहें तो ऑनलाइन या ऑफलाइन ले सकते हैं। सरकारी स्कूलों में प्री-बोर्ड से लेकर वार्षिक परीक्षाओं की पूरी तैयारी है। महात्मा गांधी उत्कृष्ट स्कूल प्राचार्य सुनील भट्ट ने बताया कि जिला कार्यालय से प्राप्त आदेश के तहत 12 व 15 अप्रैल को परीक्षाओं के लिए प्रश्न-पत्र व कॉपियां बांटेंगे। सभी बच्चों को सूचना दी जा रही है। भीड़ ना हो इसलिए सुबह 9 से 10 बजे तक 11वीं, 10 से 11 बजे तक 9वीं के स्टूडेंट्स को बुलाया है।

शिफ्ट में ली जा सकती हैं वार्षिक परीक्षाएं

संभावना है कि वार्षिक परीक्षा होगी लेकिन अब लॉकडाउन आगे बढ़ता है तो परीक्षा स्थगित करना पड़ सकती है। इससे बच्चों की मेहनत पर जरूरी पानी फिर जाएगा। कई स्कूल संचालकों का कहना है कि प्रत्येक स्कूल में 200 से 300 बच्चों को डिस्टेंसिंग के साथ बैठाए जाने की व्यवस्था है। सुरक्षा को देखते हुए बोर्ड परीक्षाएं अलग-अलग शिफ्ट में ली जा सकती हैं ताकि एक साथ बच्चे भी इकट्ठे नहीं होंगे और परीक्षा का उद्देश्य भी पूरा हो जाएगा।

10वीं व 12वीं परीक्षाओं के प्रवेश पत्र जारी

खंडवा | माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा संचालित हाईस्कूल, हायर सेकंडरी, हायर सेकंडरी वोकेशनल एवं अन्य परीक्षाओं के प्रवेश-पत्र एमपी ऑनलाइन पोर्टल mpbse.mponline.gov.in/MPBSE/MPBSE पर अपलोड किए गए हैं। विद्यार्थी अपने प्रवेश पत्र इस पोर्टल के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं।

डीएलएड एजुकेशन का रिजल्ट घोषित

खंडवा | माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा संचालित डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन प्रथम वर्ष (द्वितीय अवसर) एवं द्वितीय वर्ष (द्वितीय अवसर) परीक्षा-2021 का परीक्षाफल घोषित कर दिया गया है। परीक्षार्थी अपना परीक्षा फल मंडल की वेबसाइट www.mpbse.nic.in पर देख सकते हैं।

भास्कर गाइड

सर्दी-खांसी मतलब

रेमडेसिविर नहीं

फेफड़ों में 25% से ज्यादा संक्रमण, तभी लगती है जरूरत

एक्सपर्ट डॉ. दीपक बंसल (श्वास रोग विशेषज्ञ)
डॉ. सौरभ मालवीय (रूमेटोलॉजिस्ट)

रेमडेसिविर की जरूरत तभी, जब

- मध्यम से गंभीर लक्षण वाले केस, जिनमें ऑक्सीजन का लेवल कम हो रहा हो। सामान्य रूप से 92 प्रतिशत से कम हो।

100° डिग्री से ज्यादा बुखार 48 घंटे से ज्यादा समय से बना हुआ हो। साथ में सर्दी-खांसी व कमजोरी के लक्षण हो।

सीटी स्कैन में फेफड़ों में संक्रमण 25 फीसदी से ज्यादा नजर आए।

रेमडेसिविर ऐसे करता है काम

- वायरस जब शरीर पर अटैक करता है तो वह अपनी कॉपी बनाना शुरू कर देता है। जितने वायरस बनते जाते हैं, वे दोगुनी तादाद में वायरस पैदा कर देते हैं, जिससे फेफड़े खराब होने लगते हैं।
- रेमडेसिविर वायरस का रेप्लीकेशन यानी वृद्धि रोक देता है। इस दवा को माइल्ड केस में नहीं दिया जाता। सिर्फ मॉडरेट से सीवियर केस में डॉक्टर्स इसे लगाने की सलाह देते हैं।

ऑक्सीजन बचाने के अब ऐसे प्रयास

मरीज के मोबाइल पर बात करते समय ऑक्सीजन सप्लाय रोकेंगे

कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ने के साथ ही ऑक्सीजन की किल्लत भी होती जा रही है। इसे देखते हुए अब हर मरीज को मिल रही ऑक्सीजन का हिसाब कागजों पर रखा जाएगा। संभागायुक्त डॉ. पवन शर्मा ने आदेश दिए हर अस्पताल में भर्ती सभी मरीज की एक शीट बनेगी, जिसमें 24 घंटे में दी गई ऑक्सीजन का हिसाब रखा जाएगा।

- मरीज बाथरूम जा रहा है या मोबाइल पर बात कर रहा है तो ऐसे समय ऑक्सीजन सप्लाय रोककर बचत की जाए।
- हर दिन तीन में ऑक्सीजन लाइन का भौतिक सत्यापन कराकर ओके रिपोर्ट संभागायुक्त कार्यालय भेजें।
- ऑक्सीजन की पाइप लाइन में लीकेज की जांच कराकर नो लीकेज, नो वेस्टेज का सर्टिफिकेट भी पीडब्ल्यूडी व अन्य विभाग से 24 घंटे में अस्पताल प्राप्त करें।
- डॉक्टर द्वारा बताई ऑक्सीजन से ज्यादा नहीं दी जाए।
- ऑक्सीजन प्रभारी अधिकारी हर दो घंटे में राउंड लेकर देखे कि ऑक्सीजन बेवजह नहीं दी जाए।

फीस जमा नहीं करने पर छात्रा को बाहर खड़ा किया

महिदपुर रोड / उज्जैन | नगर के एक प्राइवेट स्कूल में पिछले दिनों एक छात्रा परीक्षा देने आई किंतु स्कूल संचालक व स्टाफ ने फीस जमा नहीं करने पर उसे धूप में बाहर खड़ा किया। इसकी जानकारी जैसे ही पालक को लगी तो वे जनपद सदस्य गोपाल बैरागी को लेकर स्कूल पहुंचे। जानकारी के अनुसार नगर के गुरुकुल मानस एकेडमी की एक छात्रा निधि परमार कक्षा 10वीं की प्री-बोर्ड परीक्षा देने आई किंतु प्रबंधक ने यह कहकर बाहर खड़ा कर दिया कि जब तक स्कूल की फीस जमा नहीं होगी, तब तक हम आपको परीक्षा नहीं देने देंगे। इस पर छात्रा ने पालक को फोन करके स्कूल बुलाया। पालक प्रकाश परमार अपने साथ जनपद सदस्य गोपाल बैरागी को लेकर स्कूल पहुंचे तो छात्रा बाहर खड़ी रो रही थी। इस पर जनपद सदस्य ने कहा कि फीस यदि किसी कारण से जमा नहीं हुई हो तो आप किसी को परीक्षा देने से नहीं रोक सकते तथा इस छात्रा को वंचित नहीं कर सकते हो लेकिन प्रबंधक नहीं माने और छात्रा बाहरी खड़ी रही। इस पर गोपाल बैरागी ने संकुल प्रभारी शिव नारायण बामनिया प्राचार्य को स्कूल बुलाया तब उनके हस्तक्षेप के बाद वह परीक्षा दे सकी, उक्त कार्रवाई के लिए पालक ने बताया इसकी शिकायत स्थानीय थाने पर, संकुल प्रभारी प्राचार्य को, जिला शिक्षा अधिकारी को की गई है तथा उचित न्याय की मांग की है। इस संबंध में थाना प्रभारी ने बताया दोनों तरफ से आवेदन आए हैं, छात्रा का बयान लेकर अधिकारियों से निर्देश प्राप्त कर कार्रवाई करेंगे। इस संबंध में संकुल प्राचार्य ने बताया कि जब में स्कूल गया, तब लड़की बाहर खड़ी थी, रो रही थी, जिसकी रिपोर्ट बनाकर जिला शिक्षा अधिकारी को दे दी है। उन्होंने पांच प्राचार्यों की समिति बनाकर जांच के निर्देश दिए हैं। इसी संबंध में स्कूल संचालक राकेश पंडया ने बताया हमने छात्रा को बाहर खड़ा किया ही नहीं है। हमने फीस की मांग नहीं की है केवल सहमति पत्र देने की बात की थी।

लॉकडाउन साइड इफेक्ट • जीएसटी थ्री बी रिटर्न : जलकर की आखिरी तारीख, चुकाना होगी पैनाल्टी

लॉकडाउन साइड इफेक्ट : ऑटो और होम लोन की किस्तें अटकेंगी, पैनाल्टी तो देना ही होगी सिबिल बिगड़ने का डर

भास्कर संवाददाता | रतलाम

लॉकडाउन ने लोगों की टेंशन बढ़ा दी है। वजह ऑटो लोन, होम लोन, पर्सनल लोन सहित अन्य लोन की किस्तें कटना है। लॉकडाउन के कारण लोग घरों से नहीं निकल पाएंगे। इससे वे बैंकों में राशि जमा नहीं करा सकेंगे। उनकी लोन की किस्त जमा नहीं होगी और पैनाल्टी चुकाने की नौबत बनेगी। जीएसटी 3बी रिटर्न की भी आखिरी तारीख है। व्यापारी यह रिटर्न दाखिल नहीं करा पाएंगे। इससे उन्हें पैनाल्टी चुकाना पड़ सकती है। जलकर जमा नहीं हुआ तो पैनाल्टी लगेगी।

19 को खुलेगा, 20 तारीख आखिरी, कैसे भरेंगे रिटर्न

जीएसटी का 3 बी रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 20 अप्रैल है। शहर में 19 अप्रैल तक लॉकडाउन है। सीए के दफ्तर बंद हैं। ऐसे में व्यापारी रिटर्न नहीं भर पाएंगे। उन्हें पैनाल्टी चुकाना पड़ सकती है। लॉकडाउन पूरे प्रदेश में होता तो तारीख बढ़ जाती। रतलाम सहित कुछ चुनिंदा शहरों में ही है। ऐसे में तारीख नहीं बढ़ना है। ऐसे में सीए के दफ्तर बंद होने से कारोबारियों की दिक्कत बढ़ गई है। सीए किशन सोनी का कहना है कि व्यापारियों के फोन हमारे पास आ रहे हैं। दफ्तर बंद है। हम मजबूर है और रिटर्न दाखिल नहीं कर सकते हैं।

इधर होम व ऑटो लोन पर भी चुकाना होगी पैनाल्टी

कई लोगों की ऑटो लोन, होम लोन की किस्त भरने की आखिरी तारीख है। बैंकें तो खुलेगी लेकिन लॉकडाउन होने से लोग बैंकों तक नहीं पहुंच सकेंगे। ऐसे में जिन्होंने होम लोन और ऑटो लोन ले रखा है। वे बैंकों में राशि जमा नहीं करा पाएंगे। ऐसे में उनकी किस्त नहीं कटेगी और उन्हें पैनाल्टी चुकाना होगी। सभी बैंकों की पैनाल्टी अलग-अलग है। यह 50 रुपए से लेकर 500 रुपए तक है। समय पर किस्त नहीं चुकाने पर सिबिल भी खराब होने का डर रहेगा।

जलकर की आज आखिरी तारीख

मार्च का जलकर जमा कराने की आज आखिरी तारीख है। इसके बाद जमा कराने पर पैनॉल्टी चुकाना होगी। लॉकडाउन लग गया है। कई लोग जलकर जमा नहीं करा पाएंगे। उन्हें पैनाल्टी चुकाना पड़ेगी। पिछली बार लॉकडाउन में यही समस्या आई थी। लोगों को पैनाल्टी चुकाना पड़ी थी। बाद में लोगों के विरोध के चलते पैनाल्टी हटाई थी। अब फिर वहीं स्थिति है।

बिजली बिल की आखिरी तारीख 16 एवं 17 अप्रैल

लॉकडाउन के बीच बिजली बिल भरने की आखिरी तारीख 16 एवं 17 अप्रैल है। बिजली कंपनी ने 8 हजार उपभोक्ताओं को बिजली के बिल जारी किए हैं। इसके बाद बिल जमा कराने पर पांच रुपए से 1.25 फीसदी पैनॉल्टी लगेगी। बिजली कंपनी के शहर कार्यपालन यंत्री विनय प्रतापसिंह ने बताया उपभोक्ता ऑनलाइन पेमेंट कर सकते हैं। ताकि पैनॉल्टी नहीं लगे। वहीं उपभोक्ताओं को पैनाल्टी ना चुकाना पड़े इस संबंध में आखिरी तारीख बढ़ाने को लेकर चर्चा की जाएगी।

प्रवेश-पत्र में गलती सुधारने की तारीख भी 15 अप्रैल है

ऑनलाइन कर सकते हैं लेकिन आवेदन

भास्कर संवाददाता | रतलाम

10 एवं 12वीं बोर्ड की परीक्षा के प्रवेश-पत्र जारी हो गए हैं। किसी प्रकार की गलती होने पर सुधार की आखिरी तारीख 15 अप्रैल है, लॉकडाउन लगा है। इससे एमपी ऑनलाइन, कियोस्क सेंटर बंद है। लॉकडाउन से बच्चे घर के बाहर नहीं निकल सकते हैं। ऐसे में प्रवेश-पत्र में सुधार नहीं कर पा रहे हैं। किसी के सब्जेक्ट में गलती है तो किसी के नाम और सरनेम में। तारीख आगे नहीं बढ़ाई तो छात्र इसमें सुधार नहीं कर पाएंगे। इससे परेशानी होगी। मप्र प्रांतीय अशासकीय शिक्षण संस्था संघ के प्रदेश अध्यक्ष दीपेश ओझा ने बताया जिले में 19 अप्रैल तक लॉकडाउन है और प्रवेश-पत्र में सुधार की आखिरी तारीख 15 अप्रैल है। इससे तारीख आगे बढ़ाना चाहिए नहीं तो कई प्रवेश गलत ही रहेंगे। वैसे माशिमं की वेबसाइड पर जाकर प्रवेश पत्र में सुधार की प्रक्रिया ऑनलाइन की जा सकती है।

प्रेक्टिकल परीक्षा 17 से

10वीं एवं 12वीं की प्रेक्टिकल परीक्षा 17 अप्रैल से शुरू हो रही है। लॉकडाउन लगा है। ऐसे में तारीख आगे बढ़ाना चाहिए ताकि परीक्षा में शामिल होने के लिए बच्चों को परेशानी ना हो।

ऑनलाइन ठगी का नया तरीका : पहले एफडी कर देते हैं व प्रोसेस के नाम पर खाते की जानकारी ले निकाल लेते हैं रुपए

ठगों के फोन आए लेकिन उन्हें जानकारी देने से पहले दो लोगों ने समय पर साइबर सेल को कर दी शिकायत, सेल ने वापस दिलाए रुपए

भास्कर संवाददाता | रतलाम

साइबर अपराधियों ने बैंक अकाउंट से एफडी करवाकर ठगी का नया तरीका निकाला है। अप्रैल में ठगी का शिकार हो रहे दो लोगों ने जानकारी देने से पहले पुलिस को शिकायत कर दी। साइबर सेल ने दोनों को रुपए वापस दिलवाए। एसपी गौरव तिवारी ने लोगों से सजग रहने और समय रहते पुलिस को सूचना देने का आग्रह किया है। ठगी करने वालों ने ऊपरवाड़ा (पिपलौदा) निवासी गीताबाई पति मदनलाल सोलंकी के बैंक अकाउंट से ढाई लाख रुपए और होमगार्ड सैनिक नाथूलाल सिंह परिहार के बैंक अकाउंट से ढाई हजार रुपए की एफडी करा दी। गीताबाई और नाथूलाल ने साइबर सेल और बैंक मैनेजर से शिकायत की। दोनों को रुपए वापस मिल गए।

बैंककर्मी बन प्रोसेस रुकवाने के नाम पर अकाउंट की जानकारी ले लेते हैं

साइबर सेल प्रभारी एसआई अनुराग यादव ने बताया लॉग इन और पासवर्ड की जानकारी लेकर ठगी करने वाले एफडी कर देते हैं। इस प्रक्रिया में ओटीपी की जरूरत नहीं होती और बैंक खाते से रुपए कट एफडी खाता बन जाता है। बैंक में रुपए खाताधारक के नाम पर दर्ज रहते हैं। एफडी संबंधित मैसेज और बैलेंस कम होने की जानकारी एसएमएस से अकाउंट धारक को पहुंचती है। ठगी करने वाले बैंककर्मी बनकर उसे फोन कॉल करते हैं और प्रोसेस रुकवाने के नाम पर बैंक अकाउंट की जानकारी हासिल कर लेते हैं। फिर अकाउंट के साथ रजिस्टर्ड मोबाइल पर मिला ओटीपी पूछकर अकाउंट खाली कर देते हैं। एसआई यादव ने बताया एसबीआई ने ग्राहकों के लिए अलर्ट जारी किया है। बैंक स्टेटमेंट में ईटीडीआर/एसटीडीआर (इलेक्ट्रानिक टर्म डिपाजिट/इलेक्ट्रानिक स्पेशल टर्म डिपाजिट) के रूप में डेबिट की हुई राशि डेबिट नहीं होती खाते में ही रहती है। एफडी के रूप में बैंक अकाउंट में सुरक्षित रहती है। अकाउंटधारक की जानकारी के बगैर एफडी होने का मैसेज मिले तो बैंक से संपर्क करें।

सावधानी... ओटीपी, डेट ऑफ बर्थ, पेन, आधार शेयर न करें

- किसी भी हाल में ओटीपी, सीडब्ल्यू, एक्सपायरी डेट या डेट ऑफ बर्थ की जानकारी किसी से शेयर ना करें।
- बैंक से प्राप्त होने वाले मैसेज को पूरा पढ़ें, समझ न आने पर जानकार व्यक्ति या बैंक अधिकारियों की मदद लें।
- यदि ऑनलाइन बैंकिंग का उपयोग करते हैं तो समय-समय पर पासवर्ड बदलते रहें। किसी से साझा न करें।
- किसी भी प्रकार के ओटीपी को कभी भी किसी भी व्यक्ति से साझा न करें। बैंक कभी भी ओटीपी नहीं पूछता है।
- किसी भी प्रकार के अनजान मेल या मैसेज से प्राप्त लिंक पर विश्वास न करें। न ही ऐसी लिंक के माध्यम से वेब पेजों पर निजी व बैंक अकाउंट संबंधी जानकारी डालें।
- कोई अपराध या ठगी होती है तो पुलिस थाने या डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू सायबर-क्राइम डाट जीओवी डाट इन पर या टोल फ्री नंबर 155260 पर जानकारी दें।

पेंशनरों के जीवित प्रमाण-पत्र जमा कराने की तारीख आगे बढ़ाएं

भास्कर संवाददाता | जावरा

2016 से पूर्व के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन के लिए जीवित प्रमाण-पत्र 20 अप्रैल से पहले जमा कराना आवश्यक है। नपा में 150 सेवानिवृत्त कर्मचारी पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। उनके हित में जीवित प्रमाण-पत्र जमा करने की तारीख 20 अप्रैल से बढ़ाकर 31 मई करने की मांग की। नगरपालिका पेंशनर संघ के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश वर्मा, उपाध्यक्ष गोपाल बामनिया ने नगरीय प्रशासन एवं विकास भोपाल को पत्र लिखकर तारीख बढ़ाने की बात कही।

बिना टाइम टेबल के होगी 9वीं और 11वीं की परीक्षा

भास्कर संवाददाता | सीहोर

कक्षा 9वीं व 11वीं की वार्षिक परीक्षाएं बगैर टाइम टेबल के कभी भी ओपन बुक प्रणाली से ली जा सकेंगी। लोक शिक्षण संचालनालय ने कोविड-19 की परिस्थितियों के चलते टाइम टेबल से परीक्षा के बंधन को समाप्त कर दिया है।

सीहोर जिले के सरकारी स्कूलों में कक्षा 9वीं व 11वीं की वार्षिक व 10वीं व 12वीं की प्री-बोर्ड परीक्षाएं 12 अप्रैल से शुरू होनी थी। जिसका विधिवत टाइम टेबल भी जारी किया गया था। प्रदेशभर में कोविड-19 के फैलते संक्रमण को देखते हुए गुरुवार को लोक शिक्षण संचालनालय ने जिला शिक्षाधिकारी व प्राचार्यों को नए आदेश जारी कर समय सारणी से परीक्षा के बंधन से समाप्त कर दिया। लोक शिक्षण आयुक्त ने आदेश में कहा कि 12 अप्रैल या जिले में लॉकडाउन की स्थिति में जिस दिन भी लॉकडाउन खुले उस दिन प्रश्नपत्र एवं उत्तर पुस्तिकाएं परीक्षार्थियों को सुबह 9 से 12 बजे तक बांटी जाएं। उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शिक्षक स्कूल या अपने घर पर भी कर सकेंगे।

पूर्व छात्र ने स्कूल की विकास निधि में दिए 21 हजार रुपए

पचोर| ग्राम सराली में शासकीय हाई स्कूल के पूर्व छात्र सॉफ्टवेयर इंजीनियर छगन मथुरिया ने शनिवार को स्कूल की शाला विकास निधि में 21 हजार रुपए का चेक प्राचार्य बीएल पाटीदार को दिया। छगन मथुरिया वर्तमान में बेंगलुरु की एक निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। उन्होंने ग्राम सराली के शासकीय हाई स्कूल में ही अपनी शिक्षा प्राप्त की है। इस दौरान उन्होंने स्कूल के छात्र-छात्राओं से कहा कि यहां मिली शिक्षा और संस्कारों से ही मैं कुछ हासिल कर पाया हूं। आप भी अपना लक्ष्य तय करके, उसके प्रति ईमानदारी से मेहनत करके और गुरुओं का सम्मान करके, लक्ष्य को पाकर आगे बढ़ें। आप खूब लगन और मेहनत से मन लगाकर पढ़ें। गांव, माता-पिता और स्कूल का नाम रोशन करें। स्कूल के प्राचार्य बीएल पाटीदार ने पूर्व छात्र का आभार व्यक्त करते हुए छात्र-छात्राओं से कहा कि आगामी परीक्षा में आप अच्छे परिणाम लाकर, पूर्व छात्र और ग्राम वासियों की आकांक्षाओं पर खरा उतरें।

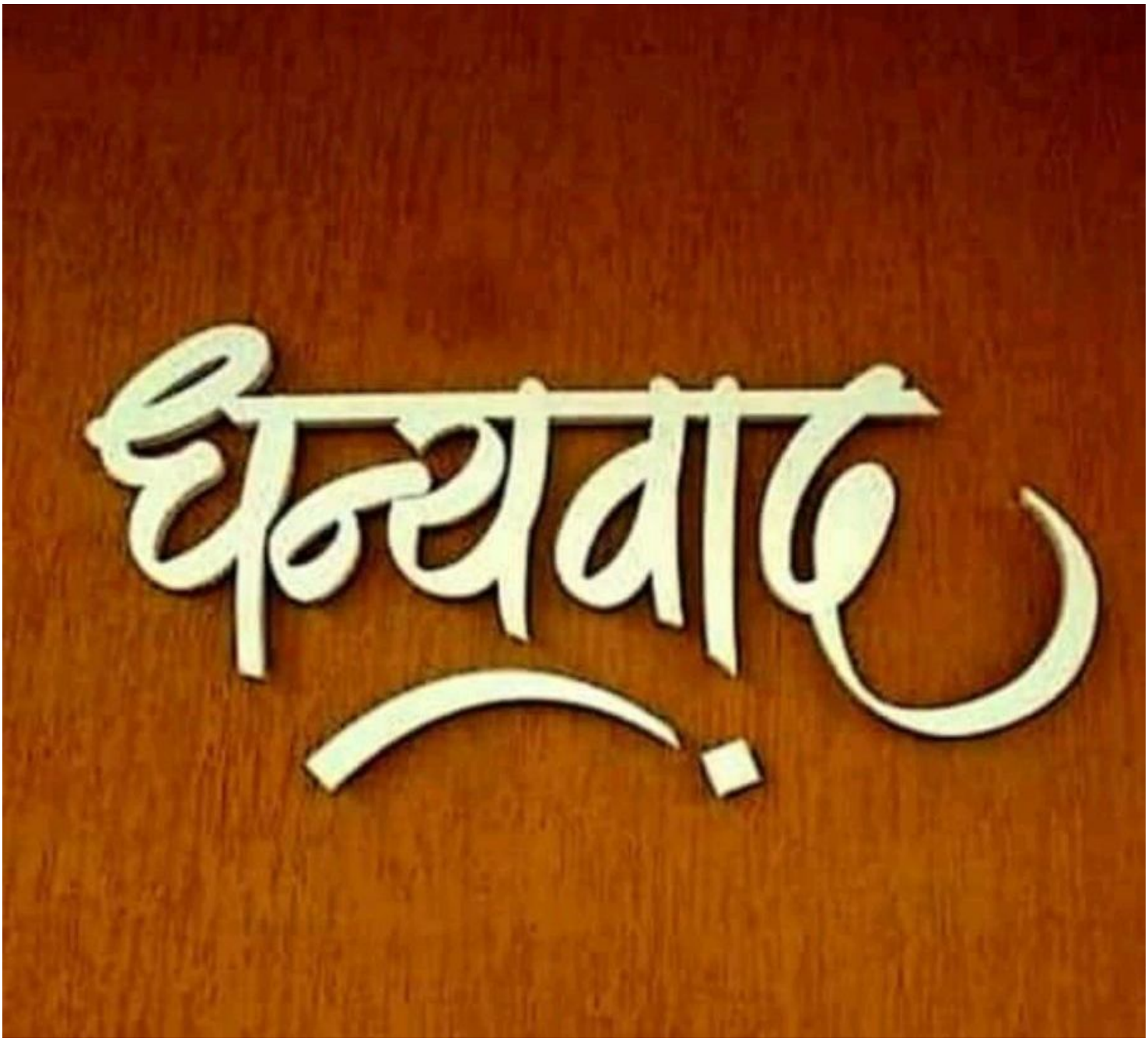
धन्यवाद